CURRICULUM VITAE

नाम :	**डॉ. श्याम नन्दन**	
पद :	सहायक आचार्य	
संकाय :	मानविकी एवं भाषा संकाय	
विभाग :	हिंदी	
अध्ययन रुचि तथा शोध-क्षेत्र	संत साहित्य, हिंदी कथा साहित्य, प्रवासी हिंदी साहित्य	
Email IDs (Official & Personal)	shyamnandan@mgcub.ac.in nandshyam15@gmil.com	
Mobile No.:	+919453154515	
पता :	हिंदी विभाग, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण, बिहार - 845401	

2. ACADEMIC QUALIFICATION (in reverse Chronological order):

Degree	Year	University / Board
पी-एच. डी.	2020	काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
परास्नातक	2012	डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या
स्नातक	2010	डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

3. PROFESSIONAL EXPERIENCE:

Position Held
सहायक आचार्य महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार
सदस्य पाठ्यक्रम समिति, मानविकी एवं भाषा संकाय महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार
सदस्य, पाठ्यक्रम समिति, हिंदी विभाग, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार
सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार
सदस्य, वार्षिक प्रतिवेदन समिति, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार

2. प्रकाशित पुस्तक/ अध्याय/ शोध-पत्र :

A. पुस्तक/मोनोग्राफ :

1. सम्पादन:

- सम्पादक: (मोनोग्राफ) - अध्यात्म भारत की आत्मा है
- चम्पारण सत्याग्रह : महात्मा की प्रथम आहुति - पुस्तक के सम्पादक मण्डल का सदस्य – 845401 , ISBN : 978-81-8329-858-2

B . पुस्तक अध्याय :

- **'चंपारण सत्याग्रह : एक सिंहावलोकन'** (भूमिका), चंपारण सत्याग्रह: महात्मा की प्रथम आहुति, संपा. अरविन्द अग्रवाल, प्रकाशक - महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार, **आई..एस.बी.एन. -** 978-81-8329-858-2
- **'कर्मभूमि' उपन्यास पर महात्मा गांधी का प्रभाव**, चंपारण सत्याग्रह: महात्मा की प्रथम आहुति, संपा. अरविन्द अग्रवाल, प्रकाशक - महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार, **आई..एस.बी.एन. -** 978-81-8329-858-2
- **रचनाकार के व्यक्तित्व की प्रतिकृति : पत्थर की मुस्कान**, काली मिट्टी पर पारे की रेखा, संपा. नंद किशोर पाण्डेय, प्रकाशक – लोकभारती प्रकाशन, प्रयाग **आई..एस.बी.एन. -** 978-93-89742-78-7
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सांस्कृतिक पक्ष**, Conspectus National Education Policy-2020, संपा. प्रो. आशीष श्रीवास्तव, एवं पी. ओमकार, प्रकाशक- महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

C. शोध-पत्र प्रकाशन :

1. ‘बलचनमा’ में किसानों की संघर्ष-गाथा के बहाने नागार्जुन और प्रेमचंद, गवेषणा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, अंक- जुलाई-सितम्बर, 2020, आई.एस.एस.एन.सं. - 0435-1460
2. स्वातंत्र्योत्तर भारतीय गाँवों के राजनीतिक यथार्थ पर व्यंग्य : राग दरबारी, हिंदी अनुशीलन, भारतीय भाषा परिषद्, प्रयाग, मार्च-2020 अंक, पृष्ठ संख्या – 61-65 आई.एस.एस.एन.सं - 2249-930X
3. जातिगत संघर्ष से भरतीय राज्यों के पतन का ऐतिहासिक प्रत्याख्यान : गढ़ कुण्डार, गवेषणा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा,जनवरी-मार्च 2020, पृष्ठ संख्या – 68-73 आई.एस.एस.एन.सं. - 0435-1460
4. उपन्यास का प्रस्थान बिंदु : चंद्रकांता, हिंदी अनुशीलन, भारतीय हिन्दी परिषद् , प्रयाग, दिसम्बर-2018, पृष्ठ संख्या – 95-102 आई.एस.एस.एन.सं - 2249-930X
5. गूढ प्रेम की अदृप्त व्यंजना का उदात्त आख्यान : बाणभट्ट की आत्मकथा, अरुण प्रभा, हिन्दी विभाग , राजीव गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश, संयुक्तांक जनवरी-दिसम्बर 2018, पृष्ठ संख्या – 100-106, आई.एस.एस.एन.सं - 2349-6444
6. जमींदारी शोषण का महाकाव्य : प्रेमाश्रम, हरिगंधा, हरियाणा साहित्य अकादमी, जून-जुलाई 2020, पृष्ठ संख्या – 89-93
7. भारतीय कृषक जीवन की त्रासद गाथा : गोदान, Interdisciplinary journalof contemporary research, आई.एस.एस.एन.सं - 2393-8358
8. प्रेमचंद के उपन्यासो में दलित विमर्श के संदर्भ, शोध-दृष्टि, आई.एस.एस.एन.सं - 0976-6650
9. गोदान मे चित्रित किसानो की विपन्नता, Annals Of Multi-Disciplinary Research, आई.एस.एस.एन.सं. - 2249-8893
10. गोदान मे कृषक संस्कृति, शोध प्रेरक, आई.एस.एस.एन.सं. - 2231-413X
11. एक किसान के मजदूर में परिवर्तन की कथा : गोदान, शोध प्रवाह, आई.एस.एस.एन.सं. - 2231-4113
12. होरी-धनिया का जीवन ; भारतीय कृषक दम्पत्ति की दारुण गाथा, वैचारिकी, आई.एस.एस.एन.सं. - 2249-8907
13. गोदान में ग्राम्य जीवन, उन्मेष, आई.एस.एस.एन.सं. - 2393-2207

14. विश्व पटल पर तेजी से उभर रही ‘हिंदी’, बिल्ड इंडिया, नई दिल्ली, DL(S)-17/3473/2015-17
15. हिंदी को विश्व भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने का प्रयास करें, राजभाषा प्रहरी, नई दिल्ली
16. बैंको मे हिंदी प्रचार सम्बंधी भारत सरकार की नीतियाँ, राजभाषा प्रहरी, नई दिल्ली

3. आमंत्रित व्याख्यान :

- हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित ‘आदिवासी समाज और स्त्री रचनाकार’ विषयक दो दिवसीय **राष्ट्रीय संगोष्ठी** में **‘आदिवासी साहित्य की समस्याएँ और चुनौतियाँ ’** विषय पर **19 मार्च , 2017** व्याख्यान
- प्रेमचंद साहित्य संस्थान और हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित ‘ सौ साल बाद ‘सेवासदन’ : स्त्री मुक्ति का भारतीय पाठ ‘’ विषयक दो दिवसीय **राष्ट्रीय संगोष्ठी** में **‘वेश्या-उद्धार का प्रश्न और सेवासदन’** विषय पर **16 दिसम्बर , 2019 व्याख्यान**

आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों द्वारा प्रसारित रेडियो —वार्ता :

1. विश्वभाषा के मानकों पर हिंदी, समसामयिक वार्ता, आकाशवाणी, लखनऊ केंद्र
2. डॉ. अम्बेडकर (जयंती) का सामाजिक व आर्थिक पक्ष, युववाणी, आकाशवाणी , वाराणसी
3. मेजर ध्यानचंद-जन्म तिथि और राष्ट्रीय खेल दिवस, युववाणी, आकाशवाणी , वाराणसी केंद्र.
4. आजादी के सत्तर साल : जरा याद करो कुर्बानी, समसामयिक वार्ता, आकाशवाणी, लखनऊ केंद्र

4. प्रकाशित साक्षात्कार :

1) केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा प्रकाशित **‘प्रवासी जगत’** पत्रिका के प्रवासी विशेषांक में सुषम बेदी से लिया गया साक्षात्कार प्रकाशित
2) फिजी से प्रकाशित **‘शांतिदूत’** के दीपावली विशेषांक में **देमेंतास वलन्चुनास (विश्व हिंदी सम्मान प्राप्त)** से लिया गया साक्षात्कार प्रकाशित - 27 अक्टूबर, 2015

3) राजभाषा प्रहरी पत्रिका, नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी विशेषांक में **‘हिंदी का किसी भी भाषा से कोई द्वेष नहीं है’** शीर्षक **श्री केशरी नाथ त्रिपाठी महामहिम राज्यपाल, पश्चिम बंगाल,** से लिया गया साक्षात्कार प्रकाशित : अंक जनवरी-जून, 2016
4) राजभाषा प्रहरी पत्रिका, नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी विशेषांक में **‘श्रीलंका में सिंहली और हिंदी का तुलनात्मक अध्ययन चल रहा है’** शीर्षक इन्द्रा दसनायके **(विश्व हिंदी सम्मान प्राप्त)** से लिया गया साक्षात्कार प्रकाशित : अंक जनवरी-जून, 2016
5) राजभाषा प्रहरी पत्रिका, नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी विशेषांक में **‘सऊदी अरब में उज्ज्वल है हिंदी भविष्य’** शीर्षक मो. इस्माइल **(विश्व हिंदी सम्मान प्राप्त)** से लिया गया साक्षात्कार प्रकाशित : अंक जनवरी-जून, 2016
6) राजभाषा प्रहरी पत्रिका, नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी विशेषांक में **‘जो भाषा सबसे अधिक व्यवहार में होगी, वही राजभाषा बनती है’** शीर्षक कमल किशोर गोयनका से लिया गया साक्षात्कार प्रकाशित : अंक जनवरी-जून, 2016

5.प्रशासनिक अनुभव :

सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार
सदस्य, संकाय पाठ्यक्रम समिति, मानविकी एवं भाषा संकाय, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार
सदस्य, विभागीय पाठ्यक्रम समिति, हिंदी विभाग, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार
सदस्य विभागीय शोध समिति, हिंदी विभाग, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार
सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार
सदस्य, वार्षिक प्रतिवेदन समिति, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार
सदस्य, मीडिया प्रकोष्ठ, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार